लंदन में संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री का भाषण

लंदन
दिनांक 8 जुलाई, 2005

ब्रिटेन के मेरे इस दौरे पर कल लंदन में घटी दुखद घटनाओं का साया रहा है। आतंकवाद ने एक बार फिर अपना कहर बरपा कर हमें यह याद दिलाया है कि यह एक ऐसी तात्कालिक विश्वव्यापी समस्या है जिसकी अनदेखी हम अपने जोखिम पर करते हैं अथवा जिसे हम अपने जोखिम पर कम करके आंकते हैं। हमने इसी सप्ताह के प्रारंभ में भारत में ऐसी ही एक घटना की पीड़ा को झेला है। इस शहर में आतंकवादी घटना में लोगों की हुई मौत और विनाशलीला से हम अत्यंत दुखी हैं।

भारत सहित ब्राजील, चीन, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका जैसे अग्रणी देशों की बैठक जो जी-8 समूह के देशों के साथ हमारी बैठक से पहले हुई थी, जी-8 समूह के देशों के केंद्र में रहे प्रमुख मुद्दे - जलवायु परिवर्तन और सतत् विकास से पड़ने वाले अपरिहार्य प्रभाव पर ध्यान देने का एक रचनात्मक प्रयास था।

हम जी-8 समूह के अध्यक्ष ब्रिटेन द्वारा भारत जैसे देशों, जो जी-8 समूह में शामिल नहीं हैं, से संपर्क करने और एक ऐसी सहभागिता विकसित करने के प्रयास की सराहना करते हैं, जिससे विश्वव्यापी मुद्दों से निपटने के लिए विश्वव्यापी समाधान निकाले जा सकते हैं। जलवायु परिवर्तन और विश्व के तापमान में बढ़ौतरी का प्रतिकूल प्रभाव सभी देशों और सभी लोगों पर पड़ता है और इसका समाधान मिलकर ही निकाला जा सकता है।

इस प्रक्रिया के तहत भारत ने जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभाव में सुधार लाने हेतु ठोस उपाय प्रस्तावित करने में एक रचनात्मक भूमिका निभाई है जिसका कार्यान्वित किए जाने पर परिमेय प्रभाव प्रड़ेगा, जैसे- विशुद्ध प्रौद्योगिकियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के कठोर अनुप्रयोगों को लचीला बनाना, विकासशील देशों को रियायती दरों पर महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियाँ उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धताओं में ढील देना और विशुद्ध प्रौद्योगिकियाँ-क्लीन नेट लाभ, पर ध्यान केंद्रित करने हेतु विकसित और विकासशील देशों में अनुसंधान और विकास संबंधी संस्थाओं का एक नेटवर्क सृजित करना।

जी-8 समूह के देशों द्वारा कल जारी किया गया घोषणापत्र इन्हीं विचारों को परिलक्षित करता है। हमें आशा है कि इन्हें जी-8 समूह के सहयोग से हम सभी देशों द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा।

लंदन की घटनाओं ने कल ग्लेनीगल्स में आयोजित हमारे कार्यक्रम को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। मैं प्रधानमंत्री श्री टोनी ब्लेयर के साथ सुनियोजित द्विपक्षीय बैठक नहीं कर पाया। ग्लेनीगल्स में एकत्र हुए अन्य लोगों के साथ मैंने भी इस दुखद घड़ी में ब्रिटेन के लोगों के साथ अपनी सहानुभूति से प्रधानमंत्री श्री ब्लेयर को अवगत कराया। उन्हें ग्लेनीगल्स से वापस लंदन लौटना पड़ा।

राष्ट्रपति श्री शिराक के साथ मेरी उपयोगी बैठक हुई जिसमें हमने अन्य मुद्दों के साथ-साथ द्विपक्षीय एजेंडे के सभी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। मैंने आई टी ई आर में भारत की प्रस्तावित भागीदारी का मुद्दा उठाया और मुझे फ्रांसीसी समर्थन का आश्वासन मिला। मैंने राष्ट्रपति श्री शिराक को उनकी सुविधानुसार शीघ्र भारत आने का निमंत्रण दिया। मेरी राष्ट्रपति श्री पुतिन, राष्ट्रपति श्री बुश, राष्ट्रपति श्री हू जिन्ताओ, राष्ट्रपति श्री लूला तथा अन्य लोगों से भी संक्षिप्त लेकिन अत्यन्त रचनात्मक बातचीत हुई।

ग्लेनीगल्स में नेताओं के स्तर पर जी-4 समूह देशों की एक तात्कालिक बैठक हुई जिसमें राष्ट्रपति श्री लूला, चांसलर श्री श्रोयडर, प्रधानमंत्री श्री कोईजुमी और मैं इस बात पर सहमत हुए कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार और विशेषकर सुरक्षा परिषद के विस्तार के प्रश्न पर जी-4 की एकजुटता का इस प्रक्रिया पर प्रभाव पड़ा है और हम इसे जारी रखेंगे। चारों देशों के विदेश मंत्री आज शाम यहां लंदन में एक बैठक करेंगे जिसमें आगे निर्णय लिए जाएंगे।

इससे पहले आज मैं एक मानद उपाधि ग्रहण करने के लिए ऑक्सफोर्ड गया था जिसका मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर अत्यधिक महत्व है। इंडिया हॉउस उत्सव जिसमें हमने हाल ही में भाग लिया है, के कार्यक्रमों में कल लंदन में हुए बम धमाकों के कारण कटौती कर दी गई है। तथापि, इंडिया हॉउस की आज मनाई गई 75वीं वर्षगांठ भारत और ब्रिटेन के बीच उन अलंघनीय संबंधों को दर्शाती है जो इस भवन में समाहित हैं।